Title: Need to protect the interests of potato growers in the country.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : महोदय, आलू उत्पादकों की दशा अत्यधिक दयनीय हो रही है। आज आलू की कीमत लागत मूल्य से भी कम है। विगत कई वर्षों से उचित भाव न मिलने के कारण आलू किसान कंगाल हो गया है। आगरा जनपद में स्थित खंदौली गांव में एक किसान ने खुदकुशी कर ली है, सरकार की ओर से आवश्यक संरक्षण न मिलने के कारण आलू किसान की स्थिति बदतर हुई है। आलू को अब तक सिर्फ साग-सब्जी के रूप में माना जाता रहा है। शिमला स्थित सैंटर ऑफ पटाटो रिसर्च इन्स्टीट्यूट ने आलू पर जो शोध किया है उससे आलू के उत्पादन में तो वृद्धि हुई है लेकिन अधिक देर तक इसको तरोताजा रखने के विषय - शोध में सम्मिलित नहीं किया गया। पर्याप्त मात्रा में शीतगृह न होने के कारण आलू का जो सुरक्षित रख-रखाव संभव है वह भी नहीं हो सका है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि आलू को खाद्य पदार्थ के रूप में मान्यता दें और इसको समर्थन मूल्य नीति के अन्तर्गत लाएं ताकि इसके भाव में स्थायित्व आए। उत्पादकों को लाभकारी मूल्य मिले जिससे देश में आलू किसानों के हितों का संरक्षण हो सके।